Class 10 Hindi Kshitij Chapter 6: संगतकार (Sangatkar) – Notes, प्रश्न-उत्तर और MCQs (2026-27)

ये Sangatkar Class 10 notes (संगतकार) CBSE कक्षा 10 हिंदी क्षितिज भाग 2 के छठे पाठ को पूरी तरह कवर करते हैं। इसमें मंगलेश डबराल का परिचय, कविता का भाव-बिंदु वार अर्थ, संगतकार की भूमिका, प्रतीक, काव्य-सौंदर्य, NCERT प्रश्न-उत्तर, 10 MCQs और मुफ़्त PDF दिया गया है।

नीचे दी गई विषय-सूची से सीधे अपने ज़रूरी भाग पर जाएँ, या पूरे पाठ की तैयारी के लिए शुरू से अंत तक पढ़ें।

विषय-सूची (Table of Contents)

- पाठ परिचय (Chapter Overview)
- मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)
- संगतकार की भूमिका एक नज़र में
- संगीत के शब्द
- काव्य-सौंदर्य (Kavya Saundarya)
- शब्दार्थ (Word Meanings)
- लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)
- त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)
- सारांश (Summary)
- परीक्षा टिप्स (Exam Tips)
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)
- निष्कर्ष (Conclusion)

सभी पाठों के नोट्स चाहिए? Nextoper पर पूरे Class 10 Hindi notes देखें – क्षितिज, कृतिका, स्पर्श और संचयन, पाठ-वार।

पाठ परिचय (Chapter Overview)

मंगलेश डबराल (1948–2020) का जन्म टिहरी गढ़वाल (उत्तराखंड) के काफलपानी गाँव में हुआ। वे कवि और पत्रकार थे और कई समाचार पत्रों से जुड़े रहे। प्रमुख काव्य-संग्रह: पहाड़ पर लालटेन, घर का रास्ता, हम जो देखते हैं, आवाज़ भी एक जगह है। 'हम जो देखते हैं' के लिए उन्हें 2000 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।

'संगतकार' कविता गायन में मुख्य गायक का साथ देने वाले संगतकार की भूमिका को महत्व देती है। संगतकार मुख्य गायक की आवाज़ को सहारा देता है, जब वह लड़खड़ाती है तो उसे सँभालता है, पर जान-बूझकर अपनी आवाज़ मुख्य गायक से ऊँची नहीं उठाता। कवि बताते हैं कि यह उसकी विफलता नहीं, मनुष्यता है। संगतकार समाज के उन सभी सहायक लोगों का प्रतीक है, जिनके योगदान के बिना कोई सफलता संभव नहीं।

मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)

संगतकार की आवाज़ और व्यक्तित्व

- मुख्य गायक की चट्टान जैसी भारी आवाज़ के साथ संगतकार की सुंदर, कमज़ोर और काँपती आवाज़ सुनाई देती है।
- संगतकार प्रायः मुख्य गायक का छोटा भाई, शिष्य या दूर का रिश्तेदार होता है, जो पैदल चलकर संगीत सीखने आता है।
- वह प्राचीन काल से मुख्य गायक की गरज में अपनी आवाज़ मिलाता आया है।

मुख्य गायक को सहारा देना

- जब मुख्य गायक अंतरे की जटिल तानों के जंगल में खो जाता है, तब संगतकार स्थायी को सँभाले रहता है।
- वह गायक को उसके बचपन की याद दिलाता है, जब वह नौसिखिया था।
- तारसप्तक में जब गायक की आवाज़ बैठने लगती है और प्रेरणा साथ छोड़ने लगती है, तब संगतकार की आवाज़ उसे सहारा देती है।
- वह मुख्य गायक को यह एहसास कराता है कि वह अकेला नहीं है और जो राग गाया जा चुका है उसे फिर से गाया जा सकता है।

संगतकार की मनुष्यता

- संगतकार की आवाज़ में एक हिचक साफ़ सुनाई देती है, क्योंकि वह अपनी आवाज़ को मुख्य गायक की आवाज़ से ऊपर नहीं उठने देता।
- कवि कहते हैं कि इसे उसकी विफलता नहीं, उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।
- वह अपने गुरु और मुख्य गायक के प्रति सम्मान और त्याग का भाव रखता है।

प्रतीकार्थ: समाज के अनदेखे सहयोगी

- संगतकार उन सभी लोगों का प्रतीक है जो किसी की सफलता में पीछे रहकर योगदान देते हैं।
- जैसे फ़िल्म में सहायक कलाकार, खेल में टीम के खिलाड़ी, नेता के कार्यकर्ता, लेखक के संपादक।
- कविता सिखाती है कि ऐसे सहयोगियों के योगदान का सम्मान करना चाहिए।

संगतकार की भूमिका एक नज़र में

भूमिका पर प्रश्नों के लिए।

स्थिति	संगतकार क्या करता है
सामान्य गायन	मुख्य गायक की आवाज़ में अपनी आवाज़ मिलाता है
अंतरे की जटिल तानों में गायक खो जाए	स्थायी को सँभाले रखता है
तारसप्तक में आवाज़ बैठने लगे	अपनी आवाज़ से सहारा देता है
गायक का उत्साह कम हो	याद दिलाता है कि वह अकेला नहीं
अपनी आवाज़	जान-बूझकर मुख्य गायक से नीचे रखता है

संगीत के शब्द

कविता में आए संगीत के पारिभाषिक शब्द।

शब्द	अर्थ
स्थायी	गीत का मुख्य टेक, बार-बार गाया जाने वाला भाग
अंतरा	स्थायी के बाद का भाग
तान	सुरों का विस्तार
तारसप्तक	ऊँचे स्वरों का सप्तक
सरगम	संगीत के सात स्वर

काव्य-सौंदर्य (Kavya Saundarya)

पक्ष	विशेषता
भाषा	सरल, सहज खड़ी बोली
छंद	मुक्त छंद
बिंब	चट्टान जैसी आवाज़, तानों का जंगल

अलंकार	उपमा, रूपक, अनुप्रास
मुख्य भाव	सहयोगियों का सम्मान, मनुष्यता

शब्दार्थ (Word Meanings)

शब्द	अर्थ
संगतकार	मुख्य गायक का साथ देने वाला गायक या वादक
गरज	ऊँची गंभीर आवाज़
अंतरा	स्थायी के बाद का चरण
जटिल	कठिन
तान	सुरों का विस्तार
सरगम	संगीत के सात स्वर
अनहद	योग की आनंद अवस्था
स्थायी	गीत का मुख्य टेक
नौसिखिया	नया सीखने वाला
तारसप्तक	ऊँचे स्वरों का सप्तक
राख जैसा कुछ गिरता हुआ	बुझता हुआ उत्साह
ढाढ़स	सांत्वना
हिचक	संकोच
विफलता	असफलता
मनुष्यता	मानवीयता

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

प्रश्न 1. संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?

उत्तर: कवि उन लोगों की ओर संकेत करते हैं जो किसी की सफलता में पीछे रहकर योगदान देते हैं, पर उन्हें श्रेय नहीं मिलता, जैसे सहायक, शिष्य, कार्यकर्ता और सहयोगी।

प्रश्न 2. संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं?

उत्तर: फ़िल्मों में सहायक कलाकार और तकनीशियन, खेलों में टीम के खिलाड़ी, राजनीति में कार्यकर्ता, लेखन में संपादक और कारखानों में मज़दूर।

प्रश्न 3. संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं?

उत्तर: वे आवाज़ मिलाकर गायन को गहराई देते हैं, जटिल तानों में खो जाने पर स्थायी सँभालते हैं, ऊँचे स्वरों में आवाज़ बैठने पर सहारा देते हैं और गायक को अकेलेपन का एहसास नहीं होने देते।

प्रश्न 4. संगतकार की आवाज़ में हिचक क्यों प्रतीत होती है?

उत्तर: क्योंकि वह जान-बूझकर अपनी आवाज़ मुख्य गायक की आवाज़ से ऊपर नहीं उठाता, ताकि मुख्य गायक का महत्व कम न हो।

प्रश्न 5. कवि ने संगतकार की आवाज़ की हिचक को विफलता न मानकर मनुष्यता क्यों कहा है?

उत्तर: क्योंकि वह योग्य होते हुए भी मुख्य गायक के सम्मान के लिए अपनी आवाज़ दबाता है। यह त्याग और सम्मान का भाव है, जो उसकी मनुष्यता को दिखाता है।

प्रश्न 6. तारसप्तक में जब गायक की आवाज़ बैठने लगती है तो संगतकार क्या करता है?

उत्तर: संगतकार अपनी आवाज़ मिलाकर उसे सहारा देता है और ढाढ़स बँधाता है कि वह अकेला नहीं है।

प्रश्न 7. संगतकार मुख्य गायक को उसके बचपन की याद क्यों दिलाता है?

उत्तर: जब गायक जटिल तानों में खो जाता है, तब संगतकार स्थायी गाकर उसे मूल धुन पर लौटाता है, जैसे बचपन में नौसिखिए के रूप में वह सरल सुर गाता था।

प्रश्न 8. संगतकार प्रायः कौन होता है?

उत्तर: संगतकार प्रायः मुख्य गायक का छोटा भाई, शिष्य या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का रिश्तेदार होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

प्रश्न 1. 'संगतकार' कविता का केंद्रीय भाव लिखिए।

- कविता मुख्य गायक के साथ गाने वाले संगतकार के महत्व को दर्शाती है।
- संगतकार गायक को सहारा देता है, उसकी डगमगाती आवाज़ सँभालता है और उसका उत्साह बढ़ाता है।
- वह अपनी आवाज़ जान-बूझकर नीचे रखता है, जो उसकी मनुष्यता है।
- संगतकार समाज के उन सभी सहयोगियों का प्रतीक है जिनके बिना सफलता अधूरी है।
- कविता हमें ऐसे अनदेखे सहयोगियों का सम्मान करना सिखाती है।

प्रश्न 2. किसी भी क्षेत्र में प्रसिद्धि पाने वाले लोगों को अनेक लोग सहयोग देते हैं। इस पर अपने विचार लिखिए।

- कोई भी सफलता अकेले नहीं मिलती; उसके पीछे कई लोगों का योगदान होता है।
- क्रिकेट में एक खिलाड़ी के शतक में साथी बल्लेबाज़ और कोच की भूमिका होती है।
- फ़िल्म के नायक की सफलता में निर्देशक, लेखक, तकनीशियन और सहायक कलाकार शामिल होते हैं।
- नेता की सफलता में कार्यकर्ताओं का परिश्रम होता है।
- हमें इन सहयोगियों को उचित सम्मान और श्रेय देना चाहिए।

प्रश्न 3. संगतकार के गुणों का वर्णन कीजिए।

- त्याग: अपनी आवाज़ मुख्य गायक से नीचे रखता है।
- सहयोग: कठिन समय में गायक को सहारा देता है।
- विनम्रता: श्रेय की इच्छा नहीं रखता।
- गुरु-भक्ति: मुख्य गायक के प्रति सम्मान रखता है।
- कलात्मक कुशलता: स्थायी और सुरों को सँभालने की क्षमता।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)

1. 'संगतकार' कविता के कवि हैं

(क) नागार्जुन (ख) मंगलेश डबराल (ग) निराला (घ) केदारनाथ सिंह

उत्तर: (ख) मंगलेश डबराल

2. मंगलेश डबराल का जन्म कहाँ हुआ?

(क) काफलपानी, टिहरी गढ़वाल (ख) अल्मोड़ा (ग) देहरादून (घ) शिमला

उत्तर: (क) काफलपानी, टिहरी गढ़वाल

3. मंगलेश डबराल को किस संग्रह पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला?

(क) पहाड़ पर लालटेन (ख) हम जो देखते हैं (ग) घर का रास्ता (घ) आवाज़ भी एक जगह है

उत्तर: (ख) हम जो देखते हैं

4. संगतकार किसका साथ देता है?

(क) श्रोता (ख) मुख्य गायक (ग) वादक (घ) दर्शक

उत्तर: (ख) मुख्य गायक

5. मुख्य गायक की आवाज़ कैसी बताई गई है?

(क) पतली (ख) चट्टान जैसी भारी (ग) मीठी (घ) धीमी

उत्तर: (ख) चट्टान जैसी भारी

6. तारसप्तक का संबंध है

(क) नीचे स्वरों से (ख) ऊँचे स्वरों से (ग) मध्य स्वरों से (घ) ताल से

उत्तर: (ख) ऊँचे स्वरों से

7. संगतकार की आवाज़ में हिचक को कवि क्या मानते हैं?

(क) विफलता (ख) मनुष्यता (ग) कमज़ोरी (घ) डर

उत्तर: (ख) मनुष्यता

8. जटिल तानों में गायक के खो जाने पर संगतकार क्या सँभालता है?

(क) अंतरा (ख) स्थायी (ग) तारसप्तक (घ) ताल

उत्तर: (ख) स्थायी

9. कविता किस छंद में है?

(क) दोहा (ख) मुक्त छंद (ग) चौपाई (घ) सवैया

उत्तर: (ख) मुक्त छंद

10. संगतकार किनका प्रतीक है?

(क) मुख्य गायकों का (ख) पीछे रहकर सहयोग करने वालों का (ग) श्रोताओं का (घ) आलोचकों का

उत्तर: (ख) पीछे रहकर सहयोग करने वालों का

त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)

- कवि: मंगलेश डबराल (1948–2020), काफलपानी, टिहरी गढ़वाल; कवि-पत्रकार।
- रचनाएँ: पहाड़ पर लालटेन, घर का रास्ता, हम जो देखते हैं (साहित्य अकादमी 2000), आवाज़ भी एक जगह है।
- संगतकार: मुख्य गायक का साथ देने वाला; छोटा भाई, शिष्य या रिश्तेदार।
- जटिल तानों में स्थायी सँभालता है; तारसप्तक में सहारा देता है।
- आवाज़ नीचे रखना = विफलता नहीं, मनुष्यता।
- प्रतीक: समाज के अनदेखे सहयोगी।

सारांश (Summary)

'संगतकार' कविता में मंगलेश डबराल मुख्य गायक का साथ देने वाले संगतकार की भूमिका को सामने लाते हैं। संगतकार अपनी काँपती, सुंदर आवाज़ से गायक को सहारा देता है, जटिल तानों में खो जाने पर स्थायी सँभालता है और तारसप्तक में आवाज़ बैठने पर ढाढ़स बँधाता है।

वह जान-बूझकर अपनी आवाज़ मुख्य गायक से ऊपर नहीं उठाता, जिसे कवि उसकी मनुष्यता बताते हैं। कविता समाज के उन सभी अनदेखे सहयोगियों के सम्मान का संदेश देती है जिनके बिना कोई सफलता संभव नहीं।

परीक्षा टिप्स (Exam Tips)

- संगतकार के प्रतीकार्थ और "मनुष्यता" वाली पंक्ति पर प्रश्न लगभग हर वर्ष आते हैं।
- अन्य क्षेत्रों के संगतकारों के उदाहरण तैयार रखें।

- संगीत के शब्द (स्थायी, अंतरा, तारसप्तक) का अर्थ याद करें।
- कवि परिचय में साहित्य अकादमी पुरस्कार का उल्लेख करें।
- दीर्घ उत्तर में अपने विचार भी जोड़ें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

संगतकार कविता का संदेश क्या है?

सफलता के पीछे के सहयोगियों का सम्मान करना चाहिए।

संगतकार अपनी आवाज़ क्यों दबाता है?

मुख्य गायक के सम्मान और महत्व को बनाए रखने के लिए।

कवि ने हिचक को क्या कहा है?

विफलता नहीं, मनुष्यता।

क्या यह पाठ 2026-27 में है?

हाँ, यह क्षितिज भाग 2 का छठा पाठ है।

PDF कैसे मिलेगा?

ऊपर दिए लिंक से मुफ़्त PDF डाउनलोड करें।

निष्कर्ष (Conclusion)

संगतकार हमें सिखाती है कि हर सफलता के पीछे अनेक मौन सहयोगी होते हैं और उनका सम्मान करना ही सच्ची मनुष्यता है। भूमिका तालिका और प्रतीकार्थ दोहराकर इस पाठ में पूरे अंक पाएँ।

और नोट्स (More Notes): Class 10 Hindi Kshitij Chapter 5: यह दंतुरित मुसकान और फसल notes | Class 10 Hindi Kshitij Chapter 7: नेताजी का चश्मा notes | All Class 10 Hindi notes

लेखक परिचय (Author Bio): ये नोट्स Nextoper Editorial Team ने तैयार और जाँचे हैं – CBSE हिंदी शिक्षकों का समूह, जो NCERT पाठ्यपुस्तक और पिछले बोर्ड प्रश्नपत्रों के पैटर्न के आधार पर पाठ-वार नोट्स बनाते हैं।

अद्यतन जानकारी (Freshness Note): ये नोट्स NCERT कक्षा 10 की हिंदी पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग 2 (Reprint 2026-27, CBSE Hindi A) और 2026-27 सत्र के CBSE पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। अंतिम जाँच: 10 नवंबर 2026।